dna indore connect
INDORE WEDNESDAY 05.03.2014 3

Various city colleges celebrate entrepreneurship, hold seminars, other activities to mark the week-long event

Innovation is today's demand

SCSIT: Experiment and promote new ideas, Krishnan tells organisations

IIM-I director Prof T Krishnan address the gathering at SCSIT on Tuesday

dna correspondent

The Indian organisations should focus on efficient management to promote innovation, said Prof T Krishnan, director of Indian Institute of Management, Indore on Tuesday.

He was addressing a gathering at School of Computer Science and Information Technology (SCSIT), Devi Ahilya VishwaVidhyalaya (DAVV) on the topic, '8 steps on innovation'. Speaking on the topic, Prof Krishnan stressed on eight steps that the organisations in India need to incorporate to promote innovation.

"The organisations and companies in India should focus on measures like enabling smooth flow of ideas, going fast from prototype to incubation and iterating on the business model," he said.

He also expressed his concern over the decreasing innovative practices in the country and urged people to work more on inputs and capacity needed for innovation. "The inputs needed for the process of innovation like infrastructure to support innovative practices and enhancement of knowledge is the major area of concern in India which needs to be given immediate attention," he added.

"Unless and until risks are not undertaken one cannot expect innovative practices to take place. The organisations should not be afraid of experimenting with the new ideas so as to enhance their development," he further added. DAVV vice chancellor Dr DP Singh said that innovative practices should be promoted everywhere as it is the only way to development. The guest of honour and the speaker during the event, Prof Krishnan was later felicitated with a memento by the university administration.

छोटे-छोटे आइडिया देते है बड़े इनोवेशन को जन्म

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर. बेहतर परिणाम के लिए किसी बड़े आइडिया की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे आइडिया से भी बड़े परिवर्तन किए जा सकते है। किसी भी प्रोजेक्ट पर काम करते समय सबसे आखिरी पड़ाव को सबसे पहले सॉल्व करने की कोशिश करें। यह कहना है आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णन कृष्णन का। वह मंगलवार को देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आईआईपीएस डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित सेमिनार को स्कूल ऑफ

कम्प्यूटर साइंस में 8 स्टेप्स फॉर इनोवेशन विषय पर स्टूडेंट्स को संबोधित कर रहे थे।

कॉम्पीटिशन से इनोवेशन

उन्होंने एम्बसडर कार का उदाहरण देते हुए कहा कि कंपनी ने 30 सालों में उसमें कोई बदलाव इसलिए नहीं किए क्योंकि कंपनी को इनोवेशन करने की आवश्यकता नहीं है। एम्बसडर कार के कॉम्पीटिशन में कोई भी नहीं है इसलिए कंपनी कार में कोई बदलाव नहीं कर रही है। स्प्लेंडर और पल्सर का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले जहां स्प्लेंडर लार्जेस्ट सेलिंग बाइक थी पर अब पल्सर है। स्प्लेंडर लोगों की पसंद अच्छे माइलेज के चलते बना था बजाज ने न्यू जनरेशन की पसंद और जरूरत को ध्यान में रखते हुए इनोवेशन कर पल्सर बनाई। इसमें पावर फूल इंजन और हैवी लुक के साथ माइलेज भी है।

हर आइडिया जरूरी

उन्होंने इनोवेशन को तीन चरणों में बांटते हुए कहा कि इनोवेशन के लिए पाइपलाइन में लगातार आइडिया का संचरा होता रहे। इसके बाद आइडिया को परखने और उसपर कार्य करने की गति को बढ़ाने की जरूरत है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण यह है क्रियांवित करना।

आप जैसा रोल मॉडल

उन्होंने स्टूडेंट्स को रोल मॉलड चुनने के टिप्स देते हुए कहा कि रोल मॉडल हमेशा ऐसा चुने जो आप के जैसा हो। सचिन और राहुल द्रेविड का उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल ज्यादा बेहतर रोल मॉडल होंगे। सचिन बॉर्न जिनीयश थे, जबकि राहुल ने प्रैक्टिस और संघर्ष के जरिए मुकाम हासिल किया था।

वीसी हुए नाराज

गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन वर्ष के अवसर आयोजित इस सेमिनार में आधी से ज्यादा सिटें खाली पड़ी थी। कार्यक्रम के बाद कुलपति डीपी सिंह ने ऑडिटोरियम की कुर्सी खाली रहने के मुद्दे पर अधिकारियों को फटकार लगाई।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर आरटी कृष्णन ने कहा

बिजनेस में नए आइडियाज जरूरी'

इंदौर। यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में लैक्चर सीरिज की शुरुआत की गई। आईआईपीएस द्वारा स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस सभागार में आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर आरटी कृष्णन का लैक्चर आयोजित किया। इसमें उन्होंने युवा और फैकल्टी को '8 स्टेप्स टू इनोवेशन' पर जानकारी दी। कुलपति डॉ.डीपी सिंह भी उपस्थित थे।

प्रो. कृष्णन ने कहा कि किसी भी ग्राहक के लिए कंपनियां इनोवेशन नहीं कर पा रही है। इसके कारण नई प्रोडक्ट भी मार्केट नहीं पा रहे हैं और दूसरे देश इसी कारण आगे हैं। बिजनेस हो या कोई कंपनी हर कहीं आज नए आइडियाज की जरूरत है। साथ ही आज हिंदुस्तान में 8 स्टेप ऑफ इनोवेशन में 'पाइपलाइन ऑफ आइडिया' की भी जरूरत है। विदेशों में किसी भी आइडिया पर जल्दी काम शुरू होता है। फेसबुक का आइडिया आने के बाद उसे बनाने की जल्द शुरूआत की गई। बिजनेस मॉडल में भी कन्वर्ट कर दिया।

हर प्रोडक्ट की गाइडलाइन जरूरी

उन्होंने कहा कि जब टाटा नैनो बनी तो कंपनी को एक गाइडलाइन दी गई। टीम ने उसी के अंतर्गत

काम किया कि एक लाख की कार बनाना है। किसी भी बिजनेस मॉडल को रिफाइन करने के साथ उसे बेहतर तरीके से पेश करना सबसे बड़ी जरूरत है।

कुलपति डॉ.डीपी सिंह ने भी विचार रखे। आईआईपीएस से डॉ. बीके त्रिपाठी, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ.ज्योति शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन मनीष सितलानी ने किया।

Nai Dunia, March 5, 2014, Page-20

स्टूडेंट्स को दिए इनोवेशन के टिप्स

EXPERT LECTURE

• सिटी रिपोर्टर इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन ईयर के तहत चल रही एक्सपर्ट सीरीज के तहत मंगलवार को स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस डिपार्टमेंट में लेक्चर हुआ। इसमें की-नोट स्पीकर आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर डॉ. ऋषिकेश टी. कृष्णन ने '8 स्टेप्स टू इनोवेशन' सब्जेक्ट पर स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने बताया इनोवेशन के तीन पार्ट आइडिया मैनेजमेंट, बज क्रिएशन और ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट होते हैं। आइडिया जनरेशन महत्वपूर्ण है लेकिन इसके साथ-साथ आइडिया इम्प्लीमेंट करना भी बहुत जरूरी है। इस मौके पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. डी.पी. सिंह मौजूद थे। स्वागत भाषण डायरेक्टर डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने दिया। संचालन डॉ. ज्योति शर्मा ने किया। आभार डॉ. मनीष सितलानी ने माना।

डॉ. ऋषिकेश टी. कृष्णन।

Dainik Bhaskar, March 5, 2014, Page-18